Padma Shri

DR. SHAILESH NAYAK

Dr. Shailesh Nayak is known for his contributions in the field of science of climate change, weather services, polar science, geoscience, ocean science and modelling, ocean survey, resources, and technology. His current research interest includes building strategy for blue economy, sustainable development and science diplomacy.

2. Born on 21st August, 1953, Dr. Nayak obtained Ph. D. degree in Geology from the M.S University of Baroda in 1980. He joined the Space Applications Centre, Indian Space Research Organisation (ISRO) in 1978 as a scientist, and subsequently elevated as the Director of Marine and Water Resources Group. Currently he is the Director of the National Institute of Advanced Studies, Bengaluru, Chancellor of the TERI School of Advanced Studies, Delhi, Editor-in-Chief, Journal of the Indian Society of Remote Sensing and Life Trustee, India International Centre, New Delhi. He was the Chair, Earth System Science Organisation (ESSO) and Secretary to the Government of India, for Ministry of Earth Sciences (MoES), from August 2008 to 2015. He was mainly responsible for conceptualising, formulating and executing many national level projects related to application of satellite data on ocean colour, integrated coastal zone management, snow and glacier studies and water resources. The generation of detailed information on the Indian coast has influenced the development of policy for zoning of coastal zone for regulating coastal activities and was instrumental in restructuring Coastal Regulation Zone Notification, issued by the Ministry of Environment and Forest, Governement of India.

3. Dr. Nayak was appointed as the Director, Indian National Centre for Ocean Information Services (INCOIS), Hyderabad, in May 2006. At ESSO-INCOIS, he set up a state-of-the-art Early Warning System for Tsunami and Storm Surges in the Indian Ocean. He was responsible for the conceptualisation and development of Marine GIS. He made outstanding contributions in improving advisory services related to potential fishing zones, ocean state forecast, and Indian Argo project.He is Member of the Governing Board of the Indian Space Promotion and Authorisation Centre (In-Space), Foundation for Ecological Security, Anand, and National Centre for Sustainable Coastal Zone Management, Chennai. He is Chair, Jury for the National Blue Flag Committee, Research Advisory Committee of ESSO-National Antarctic and Ocean Research Centre, Goa, ESSO- National Centre for Coastal Research, Chennai, Wadia Institute of Himalayan Geology, Dehradun.

4. Dr. Nayak is the President, Indian Geophysical Union, Hyderabad, and Indian Mangrove Society. He was the President of the International Geological Congress during 2015-2017. He has published about 190 papers in International and National journals and deliver about 200 invited talks in national and international fora. He is Fellow of the Indian National Science Academy, New Delhi, Indian Academy of Sciences, Bengaluru, the National Academy of Sciences, India, Allahabad, the International Society of Photogrammetry and Remote Sensing (ISPRS), and Academician of the International Academy of Astronautics, Paris.

5. Dr. Nayak has been awarded honorary degree of Doctor of Science by the Andhra University in 2011, by the Assam University in 2013, and by the Amity University in 2015. Dr. Nayak is recipient of IGU - Hari Narain Lifetime Achievement Award in Geosciences-2013, the ISCA Vikram Sarabhai Memorial Award 2012, the Bhaskara Award for 2009 by the Indian Society of Remote Sensing, Dehradun.

डॉ. शैलेश नायक

डॉ. शैलेश नायक जलवायु परिवर्तन विज्ञान, मौसम सेवाओं, ध्रुवीय विज्ञान, भू–विज्ञान, महासागर विज्ञान और मॉडलिंग, महासागर सर्वेक्षण, संसाधन और प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में उनके योगदान के लिए जाने जाते हैं। वर्तमान में शोध हेतु उनकी रुचि के विषयों में नीली अर्थव्यवस्था, सतत विकास और विज्ञान राजनय के लिए रणनीति बनाना शामिल है।

2. डॉ. नायक का जन्म 21 अगस्त, 1953 को हुआ। उन्होंने 1980 में एम.एस. विश्वविद्यालय, बड़ौदा से भूविज्ञान में पीएचडी किया। वह 1978 में भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) के अंतरिक्ष अनुप्रयोग केंद्र में वैज्ञानिक बने, और बाद में पदोन्नत होकर समुद्री एवं जल संसाधन समूह के निदेशक बने। वर्तमान में, वह नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ एडवांस्ड स्टडीज, बेंगलुरु के निदेशक, टी.ई.आर.आई. स्कूल ऑफ एडवांस्ड स्टडीज, दिल्ली के चांसलर, जर्नल ऑफ द इंडियन सोसाइटी ऑफ रिमोट सेंसिंग के मुख्य संपादक, इंडिया इंटरनेशनल सेंटर, नई दिल्ली के आजीवन ट्रस्टी हैं। वह अर्थ सिस्टम साइन्स ओर्गेनाइजेशन (ई.एस.एस.ओ.) के अध्यक्ष थे और अगस्त 2008 से 2015 तक पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय (एम.ओ.ई.एस.), भारत सरकार के सचिव थे। उनका मुख्य योगदान समुद्र के रंग, एकीकृत तटीय क्षेत्र प्रबंधन, बर्फ और ग्लेशियर अध्ययन तथा जल संसाधनों पर उपग्रह से प्राप्त डेटा के अनुप्रयोग से संबंधित कई राष्ट्रीय स्तर की परियोजनाओं की संकल्पना, आयोजना और कार्यान्वयन में था। भारतीय तट पर विस्तृत सूचना के सृजन ने तटीय गतिविधि विनियमन हेतु तटीय क्षेत्र जोनिंग नीति के विकास को प्रभावित किया है तथा पर्यावरण और वन मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा जारी तटीय क्षेत्र विनियमन अधिसूचना तैयार करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।

3. डॉ. नायक को मई 2006 में भारतीय राष्ट्रीय महासागर सूचना सेवा केंद्र (आई.एन.सी.ओ.आई.एस.), हैदराबाद का निदेशक नियुक्त किया गया था। ई.एस.एस.ओ.– आई.एन.सी.ओ.आई.एस. में, उन्होंने हिन्द महासागर में सुनामी और तूफानी लहरों के लिए एक अत्याधुनिक पूर्व चेतावनी प्रणाली की स्थापना की। उन्होंने मरीन जी.आई.एस. की अवधारणा दी और उसके विकास में भूमिका निभाई। उन्होंने मछली पकड़ने के लिए संभावित क्षेत्रों, महासागर स्थिति पूर्वानुमान और भारतीय कृषि परियोजना से संबंधित परमर्शदात्री सेवाओं को बेहतर बनाने में उत्कृष्ट योगदान दिया। वह भारतीय अंतरिक्ष संवर्धन और प्राधिकरण केंद्र (इन–स्पेस), फाउंडेशन फॉर इकोलॉजिकल सिक्योरिटी, आनंद और राष्ट्रीय सतत तटीय क्षेत्र प्रबंधन केंद्र, चेन्नई के शासी परिषद के सदस्य हैं। वह राष्ट्रीय ब्लू फ्लैग समिति, ई.एस.एस.ओ.–राष्ट्रीय अंटार्कटिक और महासागर अनुसंधान केंद्र, गोवा की शोध परामर्श समिति, ई.एस.एस.ओ.–राष्ट्रीय तटीय अनुसंधान केंद्र, चेन्नई, वाडिया इंस्टीट्यूट ऑफ हिमालयन जियोलॉजी, देहरादून की जूरी के अध्यक्ष हैं।

4. डॉ. नायक भारतीय भू–भौतिकी संघ, हैदराबाद और भारतीय मैंग्रोव सोसायटी के अध्यक्ष हैं। वह 2015–2017 के दौरान इंटरनेशनल जिओलोजिकल कांग्रेस के अध्यक्ष थे। अंतरराष्ट्रीय और राष्ट्रीय पत्रिकाओं में उनके लगभग 190 पेपर प्रकाशित हैं तथा उन्होंने राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय संस्थाओं के आमंत्रण पर लगभग 200 व्याख्यान दिए हैं। वह भारतीय राष्ट्रीय विज्ञान अकादमी, नई दिल्ली, भारतीय विज्ञान अकादमी, बंगलुरु, राष्ट्रीय विज्ञान अकादमी, भारत, इलाहाबाद, इंटरनेशनल सोसाइटी ऑफ फोटोग्रामेट्री एंड रिमोट सेंसिंग (आई.एस.पी.आर.एस.) और एकेडमिशियन ऑफ द इंटरनेशनल एकेडमी ऑफ एस्ट्रोनॉटिक्स, पेरिस के फेलो हैं।

5. डॉ. नायक को आंध्र विश्वविद्यालय द्वारा 2011 में, असम विश्वविद्यालय द्वारा 2013 में और एमिटी विश्वविद्यालय द्वारा 2015 में डॉक्टर ऑफ साइंस की मानद उपाधि से सम्मानित किया गया। डॉ. नायक को आई.जी.यू.–हरि नारायण लाइफटाइम अचीवमेंट अवार्ड इन जियोसाइंसेज–2013, आई.एस.सी.ए. विक्रम साराभाई स्मारक पुरस्कार 2012, भारतीय रिमोट सेंसिंग सोसाइटी, देहरादून द्वारा 2009 के लिए भास्कर अवार्ड प्रदान किया गया है।